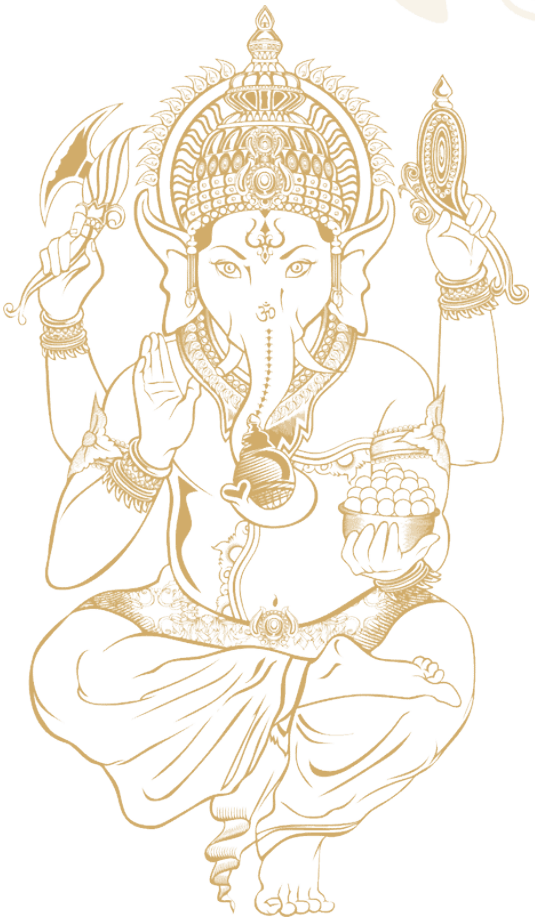

26 Feb 2026

10:29 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121413913

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**26/02/2026**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**22:29:00 घंटे**
इष्ट	39:08:08 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	22:07:52 घंटे
वेलान्तर	-00:12:54 घंटे
साम्पातिक काल	08:34:05 घंटे
सूर्योदय	06:49:44 घंटे
सूर्यास्त	18:18:44 घंटे
दिनमान	11:29:00 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	13:52:46 कुम्भ
लग्न के अंश	09:26:27 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**आर्द्रा - 2**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	प्रीति
करण	गर
गण	मनुष्य
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	घ-घनश्याम
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	09:26:27	310:56:02	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	गुरु	---
सूर्य			कुंभ	13:52:46	01:00:18	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	बुध	शत्रु राशि
चंद्र			मिथु	12:44:31	14:08:57	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	बुध	मित्र राशि
मंगल		अ	कुंभ	02:42:47	00:47:17	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	शुक्र	सम राशि
बुध	व		कुंभ	28:19:34	00:04:10	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	सम राशि
गुरु	व		मिथु	21:06:56	00:02:26	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			कुंभ	26:07:53	01:14:51	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	केतु	मित्र राशि
शनि			मीन	07:13:40	00:07:05	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	बुध	सम राशि
राहु			कुंभ	14:45:21	00:00:10	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु			सिंह	14:45:21	00:00:10	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	03:27:38	00:01:11	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	06:44:15	00:02:08	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	10:14:46	00:01:39	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
दशम भाव			कर्क	11:55:13	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:28

लग्न-चलित

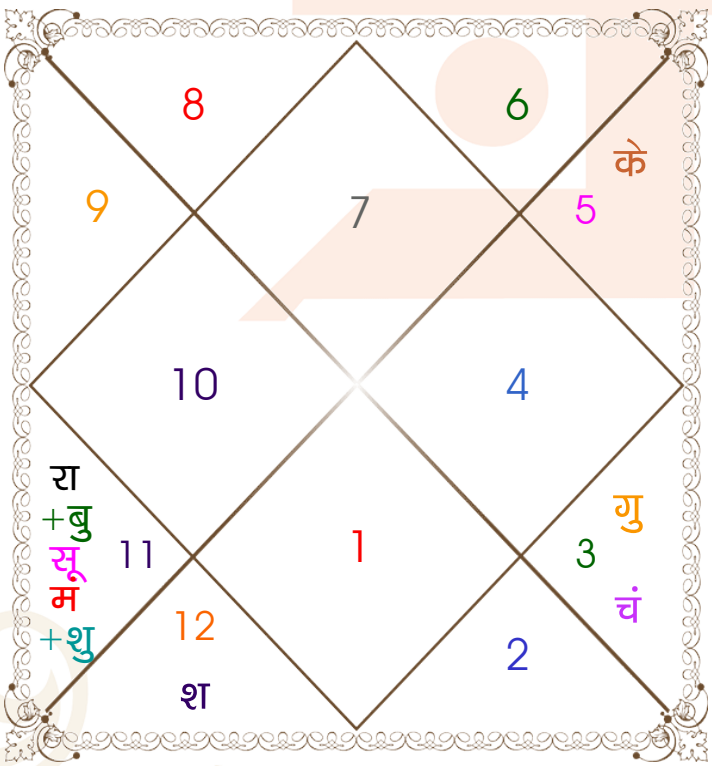

चन्द्र कुंडली

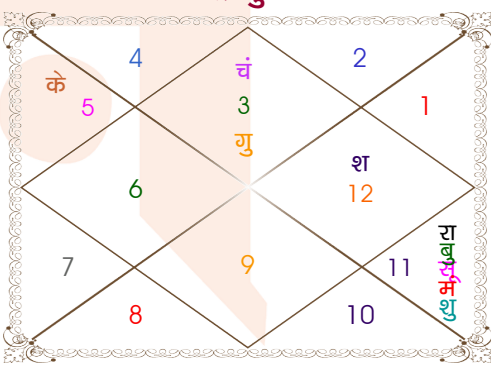

नवमांश कुंडली

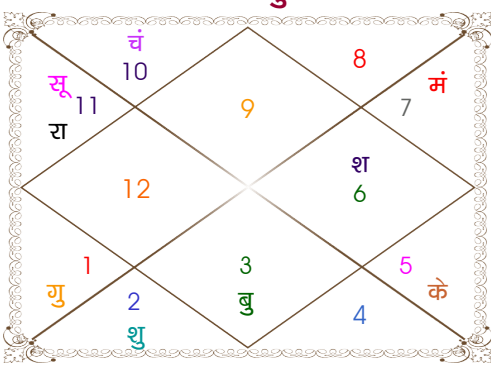

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 9 वर्ष 9 मास 17 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
26/02/2026		15/12/2035		15/12/2051		15/12/2070		15/12/2087	
15/12/2035		15/12/2051		15/12/2070		15/12/2087		15/12/2094	
	00/00/0000	गुरु	01/02/2038	शनि	18/12/2054	बुध	13/05/2073	केतु	12/05/2088
	00/00/0000	शनि	15/08/2040	बुध	27/08/2057	केतु	10/05/2074	शुक्र	13/07/2089
	26/02/2026	बुध	21/11/2042	केतु	06/10/2058	शुक्र	10/03/2077	सूर्य	17/11/2089
बुध	15/06/2028	केतु	28/10/2043	शुक्र	06/12/2061	सूर्य	14/01/2078	चंद्र	18/06/2090
केतु	03/07/2029	शुक्र	28/06/2046	सूर्य	18/11/2062	चंद्र	16/06/2079	मंगल	15/11/2090
शुक्र	03/07/2032	सूर्य	16/04/2047	चंद्र	18/06/2064	मंगल	12/06/2080	राहु	03/12/2091
सूर्य	28/05/2033	चंद्र	15/08/2048	मंगल	28/07/2065	राहु	30/12/2082	गुरु	08/11/2092
चंद्र	27/11/2034	मंगल	22/07/2049	राहु	03/06/2068	गुरु	06/04/2085	शनि	18/12/2093
मंगल	15/12/2035	राहु	15/12/2051	गुरु	15/12/2070	शनि	15/12/2087	बुध	15/12/2094

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
15/12/2094		16/12/2114		16/12/2120		16/12/2130		16/12/2137	
16/12/2114		16/12/2120		16/12/2130		16/12/2137		00/00/0000	
शुक्र	16/04/2098	सूर्य	05/04/2115	चंद्र	16/10/2121	मंगल	14/05/2131	राहु	28/08/2140
सूर्य	16/04/2099	चंद्र	04/10/2115	मंगल	17/05/2122	राहु	01/06/2132	गुरु	22/01/2143
चंद्र	16/12/2100	मंगल	09/02/2116	राहु	16/11/2123	गुरु	08/05/2133	शनि	28/11/2145
मंगल	15/02/2102	राहु	03/01/2117	गुरु	17/03/2125	शनि	16/06/2134	बुध	27/02/2146
राहु	14/02/2105	गुरु	22/10/2117	शनि	16/10/2126	बुध	14/06/2135		00/00/0000
गुरु	16/10/2107	शनि	04/10/2118	बुध	17/03/2128	केतु	10/11/2135		00/00/0000
शनि	16/12/2110	बुध	10/08/2119	केतु	16/10/2128	शुक्र	09/01/2137		00/00/0000
बुध	16/10/2113	केतु	16/12/2119	शुक्र	16/06/2130	सूर्य	17/05/2137		00/00/0000
केतु	16/12/2114	शुक्र	16/12/2120	सूर्य	16/12/2130	चंद्र	16/12/2137		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 9 वर्ष 9 मा 21 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के प्रथम चरण में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर तुला लग्न के साथ-साथ धनु राशि का नवमांश एवं तुला राशि का द्रेष्काण भी उदित हुआ था। आपका यह जन्मकालिक प्रभाव यह निर्दिष्ट करता है कि सामान्यतया आपका जन्म प्रभाव का प्रवेश काल अति उत्तम फलदायी मुख्यतः आपकी आयु के 30 वें वर्ष से 35 वर्ष के समय में प्रमाणित होगा।

बल्कि आप मृदु स्वभाव के उत्तम प्राणी हैं। आपमें ऐसी क्षमता विद्यमान है कि आप अपने धैर्य को नियंत्रित रखते हैं। आपका वास्तविक मूल्यांकन अन्य व्यक्ति करते हैं। आप किसी भी वस्तु का सही महत्त्व एवं मूल्यांकन कर सकते हैं। आप अपने व्यवसाय में सफल हो सकते हैं। इसलिए यदि आपकी अभिलाषा हो, तो आप पुजारी होकर, उच्च स्तरीय धार्मिक उपदेशक बनकर उच्च कोटि के श्रद्धावान हो सकते है। आप सदैव धार्मिक और परोपकारी संस्थाओं को दान-प्रदान करने के लिए उत्सुक रहेंगे। आपके लिए व्यवसायों में उत्तम व्यवसाय ऑटो मोबाइल्स, ट्रांसपोर्ट का कार्य, पर्यटन अथवा फैन्सी वस्तुओं का धन्धा अच्छा होगा।

यदि आप अपने अनुकूल सेवा (नौकरी) कार्य करना चाहते हैं तो आप वैज्ञानिक अथवा न्यायधीश की सेवा कार्य प्रारंभ कर सकते हैं।

आप निश्चय पूर्वक धनी होंगे। धन का सदुपयोग अपने परिवार के सहायता हेतु एवं मित्रों की सहायता हेतु करेंगे। आप जन सामान्य में यह प्रदर्शक नहीं करेंगे कि आप सामान्य विपरीत योनि के प्रति वासनात्मक प्रवृति रखते हैं। परंतु आप अपनी पत्नी के साथ गहन प्रेम संबंध बनाए रखेंगे। आप हर परिस्थिति में संभव मांग अर्थात् अपनी पत्नी एवं बच्चों की अभिलाषा पूरी करेंगे।

आपका पूर्ण सामंजस्य मिथुन राशि अथवा कुंभ राशि लग्न में उत्पन्न जातक के साथ हो सकता है। यदि आप अपनी पसंद के अनुरूप मकर राशि कर्क अथवा मीन राशीय जलीय तत्व के प्राणी के साथ मैत्री करना चाहें तो आप इनके साथ मित्रता करके अधिक प्रसन्न रह सकेंगे। आपका एक सामंजस्य पूर्ण परिवार होगा जिसमें सीमित संख्या में आपकी संताने होंगी जो आपके द्वारा अपने पैरों पर खड़े होंगे तथा आपकी वृद्धावस्था के लिए सहायक सिद्ध होंगे। आप संतान के संबंध में एक भाग्यशाली व्यक्ति होंगे जो अपने नाम और अपनी प्रसिद्धि कर आपको आनंदित करेंगे।

आप स्वास्थ्य और शारीरिक दृष्टि से उत्तम, सुंदर, मनोहर एवं प्रतिभा संपन्न होंगे। आपकी ओठ सदैव ही मुस्कुराहट से युक्त तथा चेहरा हंसमुख प्रतीत होगा। स्वास्थ्य तो बहुत उत्तम रहेगा परंतु कालांतर में मूत्र संबंधी परेशानी तथा मेरूदंडनीय अव्यवस्था उत्पन्न न हो जाए अस्तु आप को सावधानी बरतनी होंगी। आप अति महत्वकांक्षी प्राणी हैं। आप अपने उदेश्य तक पहुंचने के लिए कठिन श्रम का संपादन करेंगे। आप अपने अच्छी शिष्टाचार एवं सुंदर व्यवहार प्रेमालिंगन के कारण शक्ति संपन्न एवं उच्चकोटि के प्राणी होंगे।

इस प्रकार का बदलाव आपके लिए लाभदायक तथा धन-संपति से युक्त संपन्नता व्यक्त करायेगा। आपक सौम्य स्वभाव दूसरों को एक संयमित धन प्रदान करायेगा। आपको यथा संभव बेईमान एवं चरित्रहीन तत्व के प्रति सतर्क रहना चाहिए जो तत्व आपको मूर्ख समझते हैं। आप इस प्रकार के परिष्कार करने वाली आदतों का त्याग करें जो कि नकारात्मक प्रवृति को उत्पन्न करता है। इस प्रकार के अनगिणत प्राणी आपसे अर्थिक सहयोग लेकर आपकी आर्थिक स्थिति को पंगु बना देंगे।

आपका परिवारिक एक अंग जो विदेशी अच्छे मित्र हैं। उनके द्वारा आपको महान उपलब्धि प्राप्त होगी। आपके लिए इन मित्रों के बिना आपका समय व्यतीत करना एक दुष्कर कार्य होगा। आप उनके लिए विश्वासी, शक्ति संपन्न एवं सम्मानित दृष्टिगत होंगे। आप वास्तव में मित्रों के मित्र हैं। आप उनकी सहायता हेतु किसी भी प्रकार का सीमोलंघन करेंगे।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल अंक 1, 2, 5 और 7 अंक अति उत्तम फलदायी है। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक सर्वथा त्याज्य है।

आपके लिए रंगों में उत्तम रंग नारंगी, लाल एवं सफेद रंग हैं। परंतु रंग पीला एवं हरे रंगों का त्याग करेंगे।